डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DR. HARI SINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय - A CENTRAL UNIVERSITY)

विभागाध्यक्ष
Head

दूरभाष क्र.: 07582–265825
मोबाइल नं: 9425170704

Ref.No./Phil./2016-17/

Dated: 27.03.2017

प्रोग्राम रिपोर्ट

दिनांक 07.03.2017 को दर्शनशास्त्र विभाग में ''विश्व दर्शन दिवस'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो0 सुरेन्द्र सिंह नेगी थे। कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्रो0 सविता गुप्ता ने किया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती और डॉ0 गौर के छाया चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। माँ सरस्वती की वन्दना की गई। इसके पश्चात् मुख्य वक्ता एवं विभागाध्यक्ष का स्वागत डॉ. मोहम्मद ऐजाज खान, डॉ. उमेश सराफ एवं शोध–छात्रों द्वारा किया गया और उन्हें स्मृति चिह्न तथा शाल–श्रीफल से सम्मानित किया गया। डॉ0 सत्यनारायण देवलिया ने स्वागत भाषण दिया। विभाग के शोध–छात्र श्री पवन कुमार खटीक ने 'विश्व दर्शन दिवस' का परिचय दिया और अपने विचार रखे। डॉ0 नरेन्द्र कुमार बौद्ध ने मुख्य वक्ता प्रो0 सुरेन्द्र सिंह नेगी का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता प्रो0 सुरेन्द्र सिंह नेगी ने ''व्यावहारिक नीतिशास्त्र के आलोक में पर्यावरण दर्शन'' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में प्रो0 नेगी ने पर्यावरण क्षरण, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण में हो रहे मानवजनित व्यापक परिवर्तन पर दार्शनिक दृष्टिकोण डाला जो अत्यन्त रोचक था। उन्होंने कहा प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति का पर्यावरण से सामंजस्य को दिखाते हुए वर्तमान विकास द्वारा पर्यावरण के हो रहे क्षरण पर व्यावहारिक नीतिशास्त्रीय उपागमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा आदिम युग में जब मानव ने कृषि का प्रारम्भ किया और पर्यावरण की संरचना में हस्तक्षेप किया, वहीं से पर्यावरण की वर्तमान समस्याओं का उद्भव माना जा सकता है। व्यावहारिक नीतिशास्त्र उन व्यावहारिक सिद्धान्तों और नीतियों को बतलाता है कि कैसे पर्यावरण एवं विकास का समन्वय हो सकता है। उनके अनुसार पर्यावरण समस्याओं के लिए व्यापक पहलुओं पर काम करने और समुचित नीतियों की आवश्यकता होगी। जैसे, जनसंख्या नियंत्रण एवं संसाधनों का संरक्षणपूर्व विदोहन। अतः पर्यावरण की समस्याएँ नैतिक औचित्य हैं – पृथ्वी के प्रति, भावी पीढ़ी के प्रति।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष प्रो0 ए.पी. दुबे ने व्यावहारिक नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालते हुए इसकी विशेषताओं और उपादेयता का मानव जीवन में महत्त्व बताया। उन्होंने पर्यावरण को जैविक–अजैविक घटकों के संयोग के रूप में अन्तर्क्रिया और मनुष्य को पर्यावरण क्षरण के लिए उत्तरदायी ठहराया, क्योंकि वह विवेकशील प्राणी है। उन्होंने पर्यावरण को बचाने में मनुष्य की भूमिका तथा उसके उत्तरदायित्व पर प्रकाश डालते हुए दार्शनिक दृष्टि से उसका विवेचन किया। उन्होंने कहा कि विश्व दर्शन दिवस जो सम्पूर्ण विश्व में नवम्बर माह के तीसरे गुरूवार को सुकरात की स्मृति में मनाया जाता है। प्रशासनिक कारणों से इसे विलम्ब से आज मनाया गया है। इसका उद्देश्य भी नई चीजों को दर्शन में जोड़ना व नवयुवकों को उसमें शामिल करना है। परम्परागत दर्शन से हटकर आज व्यावहारिक दर्शन एवं व्यावहारिक आचारशास्त्र की चर्चा होती है जो दर्शन को रोचक बनाती है, पर्यावरण दर्शन भी इसी कड़ी में है।

डॉ0 शालिगराम अहिरवार ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर योग विभाग के अध्यक्ष प्रो0 गणेश शंकर गिरि, प्रो0 नागेश दुबे, प्रो0 चन्दा बेन, प्रो0 के.के. एन.0 शर्मा, प्रो0 अशोक अहिरवार, प्रो0 बी.के. श्रीवास्तव, प्रो0 डी.सी. शर्मा, डॉ0 पंकज सिंह, डॉ0 दीपक मोदी, डॉ0 रणवीर सिंह, डॉ0 मकसूद अहमद, डॉ0 शिव कुमार परोचे, शहर के गणमान्य श्री शिव प्रसाद जी, डॉ. चन्द्रशेखर नामदेव, विभाग के शोध–छात्र श्री अमित कुमार शुक्ल, श्री सचिन्द्र जैन, विवेक पाण्डे, पवन कुमार खटीक, अभय कुमार, रूप सिंह लोधी एवं कई छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे।

(प्रो0 ए.पी. दुबे)
Professor & Head
Department of Philosophy
Dr. H. S. Gour Vishwavidyalaya
Sagar (M.P.)- 470003

विश्वविद्यालय | विश्व दर्शन दिवस पर हुए कार्यक्रम में पर्यावरण पर विद्वानों ने रखे विचार

इंसानों के द्वारा खेती करने से शुरू हुई पर्यावरण की मौजूदा समस्या : प्रो. नेगी

भास्कर संवाददाता | सागर

आदिम युग में जब मानव ने कृषि का प्रारंभ किया और पर्यावरण की संरचना में हस्तक्षेप किया, वहीं से पर्यावरण की वर्तमान समस्याओं का उदभव माना जा सकता है। व्यावहारिक नीतिशास्त्र उन व्यावहारिक सिद्धांतों और नीतियों को बताता है कि कैसे पर्यावरण एवं विकास का समन्वय हो सकता है। पर्यावरण समस्याओं के लिए व्यापक पहलुओं पर काम करने और समुचित नीतियों की आवश्यकता होगी। जैसे, जनसंख्या नियंत्रण एवं संसाधनों का संरक्षणपूर्व विदोहन। पर्यावरण की समस्याएं नैतिक औचित्य हैं। पृथ्वी के प्रति और भावी पीढ़ी के प्रति। यह बात दर्शनशास्त्री एवं पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. सुरेंद्र सिंह नेगी ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में 'विश्व दर्शन दिवस' के मौके पर हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता कही।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष प्रो. एपी दुबे ने व्यावहारिक नीतिशास्त्र पर प्रकाश डालते हुए इसकी विशेषताओं और उपादेयता का मानव जीवन में

महत्व बताया। उन्होंने पर्यावरण को बचाने में मनुष्य की भूमिका तथा उसके उत्तरदायित्व पर प्रकाश डालते हुए दार्शनिक दृष्टि से उसका विवेचन किया। उन्होंने कहा कि परंपरागत दर्शन से हटकर आज व्यावहारिक दर्शन एवं व्यावहारिक आचार शास्त्र की चर्चा होती है, जो दर्शन को रोचक बनाती है। पर्यावरण दर्शन भी इसी कड़ी में है। डॉ. सत्यनारायण देवलिया ने स्वागत भाषण दिया। शोधार्थी पवन कुमार खटीक ने विश्व दर्शन दिवस के बारे में बताया। डॉ. नरेंद्र कुमार बौद्ध ने मुख्य वक्ता प्रो. नेगी का परिचय दिया। कार्यक्रम में प्रो. गणेश शंकर गिरि, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. चंदा बेन, प्रो. केकेएन शर्मा, प्रो. अशोक अहिरवार, डॉ. मोहम्मद ऐजाज खान, डॉ. उमेश सराफ आदि मौजूद थे। संचालन प्रो. सविता गुप्ता ने किया। आभार डॉ. शालिगराम अहिरवार ने माना।

निवृत्ति परंपरा का वाहक जैन एवं बौद्ध धर्म है : डॉ. सिंह

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में मंगलवार को आमंत्रित व्याख्यान हुआ। संस्कृति प्रवाह के अंतर्गत डॉ. अरुण प्रताप सिंह का व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि संसार में दो प्रकार की प्रवृतियां विद्यमान थीं। एक प्रवृति की एवं दूसरी निवृति की। निवृति परंपरा का वाह जैन एवं बौद्ध धर्म है। जैन धर्म की शिक्षाओं से प्रभावित लोगों ने कभी भारतीयता का परित्याग नहीं किया। बल्कि भारतीय संस्कृति के संवाहक बने। अध्यक्षता स्नेहरुनी जैन ने की। आभार विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने माना। कार्यक्रम संयोजक डॉ. आरपी सिंह रहे। संचालन डॉ. एसके यादव ने किया।

अंग्रेजी विभाग में आज होगा सम्मान समारोह

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्वामीनाथन सभागार अंग्रेजी विभाग में बुधवार को दोपहर 12 बजे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं सम्मान समारोह मनाया जाएगा। अध्यक्षता कुलपति प्रो. आरपी तिवारी करेंगे। मुख्य वक्ता मानव संसाधन प्रबंधन विशेषज्ञ मंदीप सेठी मैत्रा एवं विशिष्ट अतिथि प्रभारी कुलसचिव प्रो. निवेदिता मैत्रा होंगी। अध्यक्षता आयोजक प्रो. चंदा बेन करेंगी।

DR. HARI SINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(A Central University)
WORLD PHILOSOPHY DAY
7 March, 2017
Sponsored by ICPR, New Delhi

भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्
(भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय)
INDIAN COUNCIL OF PHILOSOPHICAL RESEARCH
(Government of India, Ministry of Human Resource Development)

4586
30/11/2016

F. No. 2-20/2016/P&R/ICPR/22
November 28, 2016

SANCTION ORDER

Sanction of the Indian Council of Philosophical Research is hereby accorded for payment of a grant of Rs. 20,000/- (Rupees twenty thousand only) to the **Registrar,** Dr. H.S. Gour University, Sagar-470 003, M.P. for disbursement to Dr. A.P. Dubey, Head, Department of Philosophy, Dr. H.S. Gour University, Sagar- 470 003, M.P. for organizing the **World Philosophy Day, 2016.**

The grant is subject to the following terms and conditions:

1. Programme Report alongwith 2-3 photo be sent to seminar.report@icpr.in within 5 days after the programme.
2. The sanctioned amount shall be utilized for the purpose for which it has been sanctioned.
3. The payee shall exercise reasonable economy in expending the sanctioned amount.
4. Regular accounts shall be maintained in respect of expenditure of the sanctioned amount.
5. Immediately after the programme is over, the payee shall furnish the detailed statement of expenditure duly supported with original vouchers latest by one month after the programme.
6. The payee shall submit a brief report of the programme along with a copy of the script of the Lecture delivered as well as 2/3 photographs with the background of banner/back drop etc.
7. If the event is not organized before **31st March, 2017** the sanctioned amount may be refunded to the Council forthwith **via D.D. in favour of ICPR, New Delhi.**
8. The organizing departments should invite the staff and students of the departments of philosophy of nearby Universities/Colleges and also those who are interested in Philosophy for the World Philosophy day celebration.

The sanctioned amount shall be paid to through Bank Transfer to his/her **A/c. No. 30030607313 at State Bank of India, Saugor University branch, (IFSC Code: SBIN0001143), MICR Code: 470002303.**

The expenditure will be met from the budget of the Council for the financial year 2016-17 and debited to the head of account **Group D, D-VII (C) - Plan.**

RSD/182
4-01-17
HoD DCRD

(Authority : Member Secretary approval on main file note dated 27.10.2016, P. - 9).

Mercy Helen
(Mercy Helen)
Director (P&R)

Accounts Officer, ICPR, New Delhi.
Copy to:

1. Registrar, Dr. H.S. Gour University, Sagar- 470 003, M.P.
2. Dr. A.P. Dubey, Head, Department of Philosophy, Dr. H.S. Gour University, Sagar- 470 003, M.P.

ID: apdubey2@gmail.com , Ph: 09425170704

30/12/16